भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1990

जिसका उत्तर 20.12.2023 को दिया जाना है

सिलक्यारा - बारकोट सुरंग की भूवैज्ञानिक रिपोर्ट

1990. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सिलक्यारा - बारकोट सुरंग के शुरू होने से पहले सरकार को इससे संबंधित प्रस्तुत की गई भू-वैज्ञानिक रिपोर्ट का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि रिपोर्ट में यह दर्शाया गया है कि प्रस्तावित सुरंग के बीच में कमजोर चट्टानें आ सकती हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त सुरंग के निर्माण में कमजोर चट्टानों से बचने के लिए किए गए सुरक्षा उपायों और उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है जिसमें पहाड़ के चिह्नित कमजोर हिस्से को अतिरिक्त सहारा प्रदान करना शामिल है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) सिल्कयारा-बारकोट सुरंग संरेखण (लंबाई 4531 मीटर) के संबंध में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सलाहकार द्वारा प्रस्तुत भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार चट्टान का वर्गीकरण ख़राब (श्रेणी V) से लेकर उचित (श्रेणी-III) तक है।

(ख) और (ग) निष्पादन के दौरान ईपीसी ठेकेदार द्वारा रिपोर्ट किया गया चट्टान का वर्गीकरण ख़राब (श्रेणी V) से लेकर उचित (श्रेणी-III) तक है।

(घ) सुरंग निर्माण के दौरान कमज़ोर चट्टानों की समस्या के निदान हेतु शॉटक्रीट, फोर पोलिंग, रॉक बोल्ट्स, स्टील रिब्स, जाली गर्डर आदि जैसी अतिरिक्त सहायता प्रदान करने की आवश्यकता होती है।

*****